Spiltting of LIC into competitive Units

*6. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what steps have so far been taken by Government to split the LIC into four or five competitive units; and

(b) whether Government propose to allow private sector in life as well as general insurance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) and (b) No such proposals are under consideration of the Government.

छोटे और मझोले किसानों को बैंकों द्वारा ऋण

*7. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में छोटे तथा मझौले किसानों को कृषि यन्त्रों, सिंचाई, ट्रैक्टरों तथा अन्य कृषि संबंधी उपकरणों के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों और ग्रामीण बैंकों ने कुल कितनी राशि के कर्ज दिये ;

(ख) प्रत्येक जिले से कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए और उन्हें मंजूर करने में कितना समय लगा तथा कितने आवेदन पत्र निरस्त किए गए ; और

(ग) कर्जों की मंजूरी में हुए विलम्ब के क्या कारण थे ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. अबरार अहमद): (क) आंकड़ा सूचना प्रणाली से बैंकों द्वारा छोटे और मझोले किसानों को संवितरित किए गए ऋणों के प्रयोजन-वार आंकड़े प्राप्त नहीं होते । तथापि, जून, 1990 और 1991 (अद्यतन उपलब्ध) का समाप्त वर्ष के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उत्तर प्रदेश में छोटे और मझौले किसानों को दिये गए सावधि ऋण की राशि निम्नानुसार थी :—

खातों की संख्या हजार में
राशि करोड़ रुपये में

को समाप्त वर्ष के दौरान संवितरण

	जून, 1990		जून, 1991	
	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि
1. छोटे किसान	97	87.9	104	94.5
2. छोटे किसानों से इतर	40	130.8	44	165.3
कुल	137	218.7	148	259.8